Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

च

चमत्कार, चरवाहा, चर्मरोग, चाँदी, चिट्ठियाँ, चिताना, चिन्ह, चीता, चुना हुआ, चुम्बन, चेला, चोर, चौकस, चौखट, चौथाई देश के राजा

चमत्कार

परिभाषा:

“चमत्कार” एक ऐसा अद्‌भुत कार्य है जो परमेश्वर के किए
बिना मनुष्य के लिए संभव नही है।

- यीशु के आश्चर्यकर्मों में आंधी को शान्त करना, अंधे मनुष्य को दृष्टिदान।
- आश्चर्यकर्मों को "अद्भुत काम" भी कहा गया है क्योंकि उन्हें देखकर मनुष्य आश्चर्य एवं विस्मय से अभिभूत हो जाता है।
- “अद्भुत काम” का संदर्भ सामान्यतः परमेश्वर के सामर्थ्य केआश्चर्यजनक प्रदर्शन से भी है जैसे, जब उसने आकाश और पृथ्वी की रचना की।
- आश्चर्यकर्मों को “चिन्ह” भी कहा गया है क्योंकि वे संकेत या प्रमाण हैं कि परमेश्वर ही सर्वशक्तिमान है जिसका अधिकार सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड पर है।
- कुछ आश्चर्यकर्म परमेश्वर के मुक्ति कार्य है जैसे, जब उसने इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व में से निकाला था और दानिय्येल को शेरों की हानि से सुरक्षित रखा था।
- अन्य आश्चर्यकर्म हैं, परमेश्वर का दण्ड जैसे नूह के युग में उसने जलप्रलय भेजा या मूसा के युग में मिस्र पर विपत्तियां डालीं।
- परमेश्वर के अन्य अनेक आश्चर्यकर्मों में रोगियों को चंगा करना और मृतकों को जिलाना था।
- यीशु द्वारा रोगियों की चंगाई, आंधी शान्त करना, पानी पर चलना, मृतकों को जिलाना परमेश्वर के सामर्थ्य का प्रदर्शन था। यह सब आश्चर्यकर्म थे।
- परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों को भी सामर्थ्य दिया कि वे आश्चर्यकर्म करें जैसे रोग निवारण तथा अन्य सामर्थ्य के कार्य जो केवल परमेश्वर के सामर्थ्य से ही संभव थे।

अनुवाद के सुझाव:

- “आश्चर्यकर्म” और “अद्भुत कामों” के अनुवाद हो सकते हैं, “परमेश्वर कृत असंभव कार्य” या “परमेश्वर के सामर्थी कार्य” या “परमेश्वर के विस्मयकारी कार्य”

- “चिन्ह एवं चमत्कार” एक ऐसी अभिव्यक्ति है जिसका बार-बार उपयोग किया गया है, इसका अनुवाद हो सकता है, “प्रमाण एवं आश्चर्यकर्म” या “परमेश्वर के सामर्थ्य को सिद्ध करने वाले आश्चर्य के काम” या “विस्मयकारी चमत्कार जिनसे परमेश्वर की महानता प्रकट होती है”
- ध्यान दें कि चमत्कारी चिन्ह का अर्थ किसी बात के प्रमाण को सिद्ध करने के चिन्ह से भिन्न है। इन दोनों का अर्थ समान हो सकता है।

(यह भी देखें: सामर्थ्य, भविष्यद्वक्ता, प्रेरित, चिन्ह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 थिस्सलुनीकियों 2:8–10
- प्रे.का. 04:17
- प्रे.का. 4:22
- दानिय्येल 4:1–3
- व्यवस्थाविवरण 13:1
- निर्गमन 3:19–22
- यूहन्ना 2:11
- मत्ती 13:58

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **16:8** परमेश्वर इस्राएलियों को बचाने के लिए गिदोन ने परमेश्वर से दो **चिह्न** मांगे थे कि उसको विश्वास हो जाए कि परमेश्वर उसके द्वारा इस्राएल को मुक्ति दिलाएगा|
- **19:14** परमेश्वर ने एलीशा के द्वारा बहुत से **चमत्कार** किए |
- **37:10** अनेक यहूदीयों ने इस **काम** को देखकर, यीशु पर विश्वास किया।
- **43:6** "हे इस्राएलियो ये बातें सुनो: यीशु नासरी एक मनुष्य था, जिसने परमेश्वर के सामर्थ्य से कई **आश्चर्य के कामों** और **चिन्हों** को प्रगट किया, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखाए जिसे तुम आप ही जानते हो |"
- **49:2** यीशु ने बहुत से **आश्चर्यकर्म** किये जो यह सिद्ध करते हैं कि वह परमेश्वर है | वह पानी पर चला, आंधी को शांत किया, बहुत से बीमारों को चंगा किया, दुष्टात्माओं को निकाला, मुर्दों को जीवित किया, और पांच रोटी और दो छोटी मछलियों को इतने भोजन में बदल दिया कि वह 5,000 लोगों से अधिक के लिए पर्याप्त हो |

शब्द तथ्य:

चरवाहा

- Strong's: H226, H852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H5953, H6381, H6382, H6383, H6395, H6725, H7560, H7583, H8047, H8074, H8539, H8540,G880, G1213, G1229, G1411, G1569, G1718, G1770, G1839, G2285, G2296, G2297, G3167, G3902, G4591, G4592, G5059,

चरवाहा

परिभाषा:

चरवाहा वह मनुष्य है जो भेड़ों की रखवाली करता है| पुराने नियम में, इस शब्द का सन्दर्भ "रखवाले" से भी है जो अन्य घरेलु मवेशियों के देखभाल करता है जैसे, बकरियां और चौपाए|

- इसके क्रिया रूप, "चरवाही" का अर्थ है, भेड़ों (या अन्य मवेशियों) को उत्तम भोजन और जल के पास ले जाना, वन्पशुओं से उनकी रक्षा करना, उनको खो जाने से बचाना तथा पशुओं को जीवित और सुरक्षित रखने के लिए अन्य सब उत्तरदायित्वों की पूर्ती करना|
- बाईबल में, इस शब्द का उपयोग प्रायः लाक्षणिक भाषा में किया गया है जिसका अर्थ है, (पशुओं की ही नहीं) मनुष्यों की शारीरिक एवं आत्मिक आवश्यकताओं की सुधि लेना|
- पुराने नियम में, परमेश्वर को उसके लोगों का चरवाहा कहा गया है क्योंकि उसने उनकी रखवाली की थी| नये नियम में, यीशु स्वयं को "अच्छा चरवाहा" कहता है और अन्य स्थानों में यीशु को कलीसिया का "महान चरवाहा" कहा गया है|
- नये नियम में, "रखवाला" शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो अन्य विश्वासियों पर आत्मिक अगुआ है| जिस शब्द का अनुवाद "पास्टर" किया गया है वह "चरवाहा" शब्द का अनुवाद ही है| प्राचीन और बिशप भी चरवाहे कहलाए थे|

अनुवाद के सुझाव

- इस स्त्राग्या शब्द, "चरवाहा" का अनुवाद हो सकता है, "भेड़ों की देखरेख करने वाला मनुष्य" या भेदून का रखवाला" या भेड़ों की सुध रखने वाला"
- जब भीड़ों से अन्य मवेशियों की देखरेख करने वाले मनुष्य का सन्दर्भ हो तो इस शब्द का अनुइवाद हो सकता है, "वृन्द परिचारक" या "मवेशी कर्मी" या " मवेशियों की सेवा करने वाला मनुष्य|"
- क्रिया रूप में "चरवाही" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "भीड़ों की सुध रखना" या "भेड़ों की रक्षा करना|"
- कुछ परिप्रेक्ष्यों में, "चरवाहा" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "अगुआ" या "मार्गदर्शक" या "पर्यवेक्षक"

चर्मरोग

- उपमा स्वरूप उपयोग करने में इस संज्ञा शब्द, "चरवाहा" के अनुवाद भिन्न-भिन्न होते हैं, जैसे, “आत्मिक चरवाहा” या “आत्मिक अगुआ” या “चरवाहे के समान मनुष्य” या “भेड़ों की रखवाली करने वाले चरवाहे के जैसा अपने लोगों की सुधि लेनेवाला जन” या “चरवाहा जैसे अपनी भेड़ों की अगुआई करता है वैसे अपने लोगों की अगुआई करनेवाला जन” या “परमेश्वर की भेड़ों की सुधि लेनेवाला”।
- इसके क्रिया रूप को लाक्षणिक भाषा में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद हो सकता है, "सुध रखना" या "आत्मिक पोषण देना" या "अगुआई करना और शिक्षा देना" या "अगुआई करना और संभालना (जैसे चरवाहा अपनी भेड़ों को संभालता है)"
- इसी संदर्भ में “चरवाहे” का अनुवाद “अगुआ” या “पथ प्रदर्शक” या “सुधि लेनेवाला” हो सकता है।

(यह भी देखें: पासबान, भेड़, मवेशी)

बाइबल के सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 13:7
- उत्पत्ति 49:24
- लूका 2:9
- मरकुश 6:34
- मरकुस 14:26–27
- मत्ती 2:6
- मत्ती. 9:36
- मत्ती. 25:32
- मत्ती. 26:31

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **9:11** मूसा मिस्र से बहुत दूर जंगल में एक **चरवाहा** बन गया.के प्रति
- **17:2** दाऊद बेथलेहेम के शहर से एक **चरवाहा** था। जब वह अपने पिता के भेड़ों की निगरानी कर रहा था, तब दाऊद ने एक बार एक शेर को और एक बार एक भालू को मार दिया था क्योंकि उन्होंने उसकी भेड़ों पर चढ़ाई की थी।
- **23:6** उस रात, वहाँ कुछ **चरवाहे** थे जो पास के मैदान में अपनी भेड़ों की रखवाली कर रहे थे।
- **23:8** चरवाहे तुरंत ही उस स्थान पर पहुंचे जहां यीशु था और उन्होंने उसे चरनी में लेटा हुआ पाया, जैसा स्वर्गदूत ने उन्हें बताया था।
- **30:3** यीशु के लिए, ये लोग किसी **चरवाहे** के बिना भेड़ों के समान थे।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6629, H7462, H7469, H7473, G07500, G41650, G41660

चर्मरोग

परिभाषा:

“कोढ़” का उल्लेख बाइबल में आया है| वह विभिन्न त्वचा रोगों का संदर्भ देता है। “कोढ़ी” वह मनुष्य है जो कोढ़ से ग्रस्त है,

"कोढ़" मनुष्य या मनुष्य की देह के उस अंग का संदर्भ देता है जहाँ कोढ़ का लक्षण प्रकट होता है।

- एक प्रकार के कोढ़ में त्वचा का रंग उड़ जाता है और वहां सफेद दाग हो जाते हैं जैसे मिरयम और नामान को था।
- आज के युग में कोढ़ के कारण हाथ, पांव और देह के अन्य अंग क्षतिग्रस्त होकर विकृत हो जाते हैं।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को जो आदेश दिए थे उनके अनुसार यदि किसी मनुष्य को कोढ़ हो जाता था तो उसे "अशुद्ध" माना जाता था और उसे अन्य मनुष्यों से अलग रहना होता था कि उन्हें इस रोग का संक्रमण न हो।
- कोढ़ी को "अशुद्ध" चिल्लाना पड़ता था कि मनुष्यों को उससे दूर रहने की चेतावनी मिले।
- यीशु ने अनेक कोढ़ियों को और त्वचा रोगियों को चंगा किया था।

अनुवाद के सुझाव:

- बाइबल में जो "कोढ़" शब्द है उसका अनुवाद "त्वचा रोग" या "भयानक त्वचा रोग" किया जा सकता है।
- "कोढ़" का अनुवाद "कोढ़ग्रस्त" या "त्वचा रोग ग्रस्त" या "त्वचा के घावों से भरा" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: मिरयम, नामान, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 5:13
- लूका 17:12
- मरकुस 1:40
- मरकुस 14:3
- मत्ती 8:3
- मत्ती 10:8–10
- मत्ती 11:5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6879, H6883, G30140, G30150

चाँदी

परिभाषा:

चाँदी एक चमकीली सफेद रंग की धातु होती है जिससे सिक्के, आभूषण, पात्र और साज सज्जा का सामान बनाया जाता है।

- पात्रों में चाँदी के बड़े-छोटे कटोरे तथा खाना पकाने, खाने या परोसने के पात्र बनते हैं।
- सोना और चाँदी परमेश्वर के निवास तथा मन्दिर के निर्माण में भी काम में लिए गए थे। यरूशलेम के मन्दिर में पात्र सब चाँदी के थे।
- बाइबल के समय में, एक शेकेल वजन का एक इकाई था, और अक्सर एक निश्चित चाँदी की शेकेल की कीमत पर खरीदारी की जाती थी । नए नियम के युग में शेकेल में मापा जाने वाले विभिन्न वजन के चाँदी के सिक्के थे।
- यूसुफ के भाइयों ने उसे चाँदी के बीस शेकेल (सिक्कों) में दास होने के लिए बेचा था।
- यीशु के पकड़वाने के लिए यहूदा को चाँदी के 30 सिक्के दिए गए थे।

(यह भी देखें: मिलापवाला तम्बू, मन्दिर)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 18:9–11
- 1 शमूएल 02:36
- 2 राजा 25:13–15
- प्रे.का. 03:06
- मत्ती. 26:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3701, H3702, H7192, G693, G694, G695, G696, G1406

चिट्ठियाँ

परिभाषा:

"चिट्ठियाँ" पर्चियों पर नाम लिखे जाते हैं और निर्णय लेने के लिए उनमें से एक उठाई जाती है। "चिट्ठियां डालना" अर्थात चिन्ह डालकर पर्चियों को भूमि पर या अन्य स्थान में डालकर एक उठाना।

- कुछ संस्कृतियों में चिट्ठियां डालने में तिनकों का गट्ठा काम में लिया जाता था। एक मनुष्य उन तिनकों को पकड़ कर रखता था कि कोई देख न पाए कि वे कितने लम्बे हैं। प्रत्येक मनुष्य एक तिनका खींचता था और जिसके पास सबसे लम्बा तिनका आता था (या सबसे छोटा) वही चुना हुआ माना जाता था।
- बाइबिल के समय में, प्रकरण के अनुसार "चिट्ठी" का अनुवाद "अंकित पत्थर" या "मिट्टी के पात्रों के टुकड़ों" या "लकड़ियां" या "तिनके" भी किए जा सकते हैं।
- "चिट्ठियां डालना" का अनुवाद, "पर्चियां डालना" या "पर्ची खींचना" या पर्ची गिराना" भी हो सकता है। "डालना" का अनुवाद ऐसा प्रकट न करे कि चिट्ठियां बहुत दूर तक फेंकी जाती थी।
- यदि "चिट्ठियों" द्वारा निर्णय लिया गया तो उसका अनुवाद "चिट्ठियां डालकर" किया जा सकता है।

(यह भी देखें: इलीशिबा, याजक, जकर्याह (पुराना नियम), जकर्याह (नया नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- योना 01:6–7
- लूका 01:8–10
- लूका 23:33–34
- मरकुस 15:22–24
- मत्ती 27:35–37
- भजन संहिता 022:18–19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1486, H2256, H5307, G2624, G2819, G2975, G3091

चिताना

परिभाषा:

"चिताना" अर्थात किसी को दृढ़ चेतावनी देना या समझाना।

- "चिताना" का सामान्यतः अर्थ है कि किसी को कोई काम न करने के लिए समझाना।
- "मसीह की देह में, विश्वासियों को शिक्षा दी गई है कि वे आपस में समझाएं कि पाप से बचना है और पवित्र जीवन जीना है।"
- "चिताना" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "पाप नहीं करने के लिए उत्साहित करना" या "किसी को पाप नही करने का आग्रह करना"

बाइबल सन्दर्भ:

- नहेम्याह 09:32–34

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2094, H5749, G3560, G3867, G5537

चिन्ह

परिभाषा:

"चिन्ह" प्रायः उस वस्तु, घटना या कार्य के सन्दर्भ में है जो एक विशेष अर्थ प्रकट करता है।

- :बाईबल में "चिन्ह" कभी कभी परमेश्वर द्वारा की गई प्रतिज्ञा या स्थापित वाचा के लिए दिए जाते थे:
- उत्पत्ति के पुस्तक में परमेश्वर द्वारा आकाश में स्थापित मेघधनुष परमेश्वर को स्मरण कराने के लिए एक चिन्ह (स्मारक) है कि उसने प्रतिज्ञा की है कि वह विश्वव्यापी जलप्रलय से जीवन को फिर कभी नष्ट नहीं करेगा।
- उत्पत्ति की पुस्तक में, परमेश्वर ने इस्राएलियों को आज्ञा दी थी कि वे अपने पुत्रों का खतना करें जो उस तथ्य का एक चिन्ह होगा जो उनके साथ बंधी गई परमेश्वर की वाचा का चिन्ह होगा।
- चिन्ह किसी बात को प्रकट करते हैं या उसकी ओर संकेत करते हैः
- लूका के वृतांत में, स्वर्गदूत ने चरवाहों को एक चिन्ह दिया जिसके द्वारा उनको सहायता मिलेगी कि वे बैतलहम में पहचान पाएं कि कौन सा शिशु नवजात मसीह है।
- यहूदा ने यीशु का चुम्बन करके धर्म के अगुओं पर चिन्ह प्रकट किया कि यही यीशु है जिसको उन्हें पकड़ना है।
- चिन्ह किसी बात को सच्चा सिद्ध करते है:
- निर्गमन की पुस्तक में, विपत्तियों ने मिस्र में विनाश ढा दिया था जो एक चिन्ह था कि यहोवा कौन है और उनसे सिद्ध हुआ कि वह फिरौन से और उसके मिस्री देवताओं से अधिक महान है|
- प्रेरितों के काम की पुस्तक में, भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों द्वारा किए गए आश्चर्यकर्म चिन्ह थे कि वे परमेश्वर का सन्देश सुना रहे है।
- यूहन्ना रचित सुसमाचार में कहा गया है कि यीशु ने जो चमत्कार किए, वे चिन्ह जिनसे सिद्ध होता है कि वह वास्तव में मसीह है।

अनुवाद के सुझाव:

- बार-बार आने वाली अभिव्यक्ति, "चिन्ह और चमत्कार" का अनुवाद हो सकता है: "प्रमाण एवं चमत्कार" या "परमेश्वर के सामर्थ्य को सिद्ध करने वाले चमत्कारी कार्य" या “विस्मयकारी आश्चर्यकर्म जिनसे प्रकट होता है कि परमेश्वर कैसा महान है"।
- “हाथों से संकेत करना” का अनुवाद हो सकता है: “हाथों की गतिविधि” या “हाथों से इंगित करना” या “भाव दर्शाना”।
- कुछ भाषाओं में किसी बात को सिद्ध करने के लिए "चिन्ह" शब्द का एक अनुवादित रूप होता है और आश्चर्यकर्म के लिए "चिन्ह" का दूसरा अनुवादित शब्द होता है।

(यह भी देखें: आश्चर्यकर्म, प्रेरित, मसीह, वाचा, खतना करना)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 2:18–19
- निर्गमन 4:8–9
- निर्गमन 31:12–15
- उत्पत्ति 1: 14–15
- उत्पत्ति 9: 12
- यूह. 2:18
- लूका 2:12
- मरकुस 18:12
- भजन-संहिता 89:5–6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H0226, H0852, H2368, H2858, H4150, H4159, H4864, H5251, H5824, H6161, H6725, H6734, H7560, G0364, G0880, G1213, G1229, G1718, G1730, G1732, G1770, G3902, G4102, G4591, G4592, G4953, G4973, G5280

चीता

तथ्य:

चीता, बिल्ली जैसा एक बड़ा पशु है जिसका रंग भूरा होता है और उस पर काले धब्बे होते हैं।

- चीता अन्य पशुओं को मार कर खाता है।
- बाइबल में आकस्मिक दुर्घटना की तुलना चीते से की जाती है क्योंकि चीता अपने शिकार पर आकस्मिक हमला करता है।
- भविष्यद्वक्ता दानिय्येल और प्रेरित यूहन्ना ने दर्शन में चीते जैसा एक पशु देखा था।

(यह भी देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: पशु, दानिय्येल, शिकार, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 07:6–7
- होशे 13:7–8
- प्रकाशितवाक्य 13:1–2
- श्रेष्ठगीत 04:8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5245, H5246

चुना हुआ

परिभाषा:

“चुने हुए” का वास्तविक अर्थ है “चयनित जन” या “चुनी हुई प्रजा” यह उन लोगों के संदर्भ में है जिन्हें परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त किया या पृथक किया है। “चुना हुआ” या “परमेश्वर का चुना हुआ”, ये उपनाम यीशु को दर्शाते हैं जो चुना हुआ मसीह है।

चुना हुआ

- “चुनना” शब्द का अर्थ है किसी वस्तु को या किसी मनुष्य को अलग कर लेना या किसी बात पर निर्णय लेना। यह शब्द अधिकतर परमेश्वर द्वारा मनुष्यों को अपने लिए अलग कर लेने के लिए प्रयोग होता था कि वे अब उसके हैं और उसकी सेवा के लिए हैं।
- “चुने हुए” का अर्थ है “चयनित” या “नियुक्त”- कुछ होने के लिए या कुछ करने के लिए।
- परमेश्वर ने मनुष्यों को पवित्र होने के लिए चुना कि उत्तम आत्मिक फल लाने के लिए परमेश्वर द्वारा अलग किए जाएं। यही कारण है कि उन्हें “चुने हुए लोग” या "चुने हुए" कहते है।
- बाइबल में कभी-कभी इस उक्तिं “चुने हुओं” का उपयोग कुछ विशेष मनुष्यों लिए किया गया है जैसे मूसा, राजा दाऊद जिन्हें परमेश्वर ने अपनी प्रजा के अगुवे नियुक्त किया था। इसका उपयोग,इस्राएल को संदर्भित करने के लिए भी किया गया है क्योंकि वे परमेश्वर के चुने हुए लोग थे|
- “चुना हुआ” एक प्राचीन शब्द है जिसका अर्थ है “अलग किया गया” या “अलग किए हुए लोग” मूल भाषा में यह शब्द जब मसीही विश्वासियों के लिए प्रयोग किया गया तो यह बहुवचन में काम में लिया गया था|
- अंग्रेज़ी बाइबल के पुराने संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द नये नियम और पुराने नियम दोनों में “अलग किए हुओं” के लिए प्रयोग किया गया है जो "अलग किए हुए" लोगों के लिए काम में लिए गए शब्द का अनुवादित शब्द है। अधिक आधुनिक संस्करणों में “चुना हुआ” शब्द केवल उन लोगों के लिए प्रयोग किया गया है, जिसका उद्धार परमेश्वर ने मसीह यीशु के द्वारा किया है। बाइबल में अन्य स्थानों में इस शब्द का अनुवाद यथावत “चुना हुआ” ही किया गया हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- अतः उचित तो यह होगा कि इस शब्द, "चयनित" का अनुवाद, “चुने हुए जन” या “चुनी हुई जाति” किया जाए। इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "मनुष्य जिनको परमेश्वर ने चुन लिया है" या "वे जिनको परमेश्वर ने अपने लोग होने के लिए नियुक्त कर दिया है"
- “जो चुने गए” का अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “जिन्हें नियुक्त किया” या “जो अलग किए गए” या “जिन्हें परमेश्वर ने चुना”।
- “मैंने तुझे चुन लिया है” इसका अनुवाद किया जा सकता है, “मैंने तुम्हें नियुक्त किया है” या “मैंने तुम्हें अलग किया है”।
- यीशु के संदर्भ में, इस उक्ति “चुना हुआ” का अनुवाद हो सकता है, “परमेश्वर का चयनित” या “परमेश्वर का विशेष नियुक्त मसीह” या “जिसे परमेश्वर ने नियुक्त किया है”

(यह भी देखें: नियुक्त, मसीह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 यूहन्ना 1:1
- कुलुस्सियों 3:12
- इफिसियों 1:3–4
- यशायाह 65:22–23
- लूका 18:7
- मत्ती. 24:19–22
- रोमियो 8:33

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0970, H0972, H0977, H1262, H1305, H4005, H6901, G01380, G01400, G15860, G15880, G15890, G19510, G37240, G44000, G44010, G47580, G48990, G55000

चुम्बन

परिभाषा:

चुम्बन में एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के होठों पर या चेहरे पर अपने होंठ रखता है। इस शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में भी किया गया है।

- कुछ संस्कृतियों में गालों को चूमा जाता है कि अभिवादन या अलविदा को व्यक्त किया जाए।
- चुम्बन दो व्यक्तियों के मध्य गहरे प्रेम को प्रकट करता है जैसे पति-पत्नी।
- “किसी को विदा का चुम्बन देना” अर्थात किसी को चूमकर विदा करना।
- कभी-कभी “चूमना” शब्द का अर्थ है किसी को “विदा करना”। जब एलीशा ने एलिय्याह से कहा था, “पहले मुझे जाकर अपने माता-पिता को चूमने दे” तो उसके कहने का अर्थ था कि एलिय्याह का अनुसरण करने के लिए उनसे अलग होने के लिए विदाई लेना।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 5:25–28
- उत्पत्ति 27:26–27
- उत्पत्ति 29:11
- उत्पत्ति 31:28
- उत्पत्ति 45:15
- उत्पत्ति 48:10
- लूका 22:48
- मरकुस 14:45
- मत्ती 26:48

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5390, H5401, G27050, G53680, G53700

चेला

परिभाषा:

"चेला" शब्द उस मनुष्य के संदर्भ में है जो गुरू के साथ बहुत समय व्यतीत करता है और गुरू के चरित्र और शिक्षाओं से सीखता है।

- जो लोग यीशु के पीछे चलते थे और उसकी शिक्षाओं को सुनकर उनका पालन करते थे, वे उसके "चेले" कहलाते थे।
- यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के भी चेले थे।
- यीशु के सांसारिक सेवाकाल में उसके अनेक चेले थे और जो उसका अनुसरण करते और उसकी शिक्षाओं को सुनते थे।
- यीशु ने बारह मनुष्यों को चुना कि उसके घनिष्ठ अनुयायी हों, ये पुरुष उसके "प्रेरित" कहलाए।
- यीशु के बारह प्रेरित उसके "शिष्य" या "बारहों" कहलाए।
- अपने स्वर्गारोहण से पूर्व यीशु ने अपने शिष्यों को आज्ञा दी कि उन्हें भी यीशु के शिष्य बनना सिखाएं।
- यीशु में विश्वास करने और उसकी शिक्षाओं का पालन करनेवालों को यीशु के चेले कहा जाता है।

अनुवाद के सुझाव:

- "चेला" शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ हो, "अनुयायी" या "विद्यार्थी" या "शिष्य" या "शिक्षार्थी"।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद कक्षा में विद्योपार्जन करने वाले विद्यार्थी के जैसा नहीं।
- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद "प्रेरित" शब्द के अनुवाद से भिन्न शब्द हो।

(यह भी देखें: प्रेरित, विश्वास करना, यीशु, यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 6:1
- प्रे.का. 9:26–27
- प्रे.का. 11:26
- प्रे.का. 14:22
- यूहन्ना 13:23
- लूका 6:40
- मत्ती 11:3
- मत्ती 26:33–35
- मत्ती 27:64

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **30:8** यीशु ने रोटियाँ और मछलियाँ तोड़-तोड़ कर **चेलों** को दी कि वे लोगों को परोसे। **चेलों** ने रोटियाँ और मछलियाँ सब में बाँट दी, और रोटियाँ और मछलियाँ कम नहीं पड़ी।
- **38:1** यीशु मसीह के सार्वजनिक उपदेशों के तीन साल बाद अपना पहला उपदेश शुरू किया। यीशु ने अपने **चेलों** से कहा कि वह यरूशलेम में उनके साथ फसह का उत्सव मनाना चाहता था, और यह वही जगह है जहाँ उसे मार डाला जाएगा।
- **38:11** फिर वह गतसमनी नामक एक जगह में अपने **चेलों** के साथ आया। यीशु ने अपने **चेलों** से कहा कि प्रार्थना करते रहो कि परीक्षा में न पड़ो।
- **42:10** यीशु ने अपने **चेलों** से कहा, " स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को **चेला** बनाओ और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3928, G31000, G31010, G31020

चोर

तथ्य:

“चोर” या “लुटेरा” वह व्यक्ति है जो मनुष्यों का पैसा या सामान चुराता है। "चोर" का बहुवचन है "चोरों।" "डाकू" शब्द अधिकतर एक ऐसे चोर का सन्दर्भ देता है जो लुटने वालों को शारीरिक हानि पहुंचाता है या भयभीत करता है।

- यीशु ने एक सामरी का दृष्टान्त सुनाया, जिसने एक यहूदी व्यक्ति का ख्याल रखा जिस पर लुटेरों ने हमला किया था। लुटेरों ने यहूदी व्यक्ति को पीटा और उसके पैसे और कपड़े चोरी करने से पहले उसे घायल कर दिया था।
- चोर और लुटेरों दोनों चोरी करने अचानक ही आते है, जब लोग इसकी उम्मीद नहीं करते। वे प्रायः अन्धकार में काम करते हैं कि छिपे रहें।
- नये नियम में शैतान को प्रतीकात्मक रूप में एक चोर कहा गया है जो चोरी करने, हत्या करने और नाश करने आता है। इसका अर्थ है कि शैतान की योजना है कि परमेश्वर के लोगों को भरमाकर उसकी आज्ञा मानने से रोके। अगर शैतान ऐसा करने में सफल हुआ तो वह लोगों से उन अच्छी बातों को चुरा जिनकी योजना परमेश्वर ने उनके लिए बनाई है।
- यीशु ने अपने आकस्मिक पुनरागमन की तुलना चोर के अकस्मात् आ जाने से की थी जो की चोरी करने आता है। जैसे चोर ऐसे समय आता है जब मनुष्य उसकी प्रतीक्षा में नहीं रहता है वैसे ही यीशु भी अकस्मात ही आ जाएगा जब मनुष्य उसके आगमन के लिए तैयार न हो।

(यह भी देखें: आशिष देना, अपराध, क्रूस पर चढ़ाना, अन्धकार, विनाशक, सामर्थ्य, सामरिया, शैतान)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 2 पतरस 03:10
- लूका 12:33
- मरकुस 14:48
- नीतिवचन 6:30
- प्रकाशितवाक्य 3:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1214, H1215, H1416, H1589, H1590, H1980, H6530, H7703, G727, G2417, G2812, G3027

चौकस

परिभाषा:

“चौकस” किसी वस्तु को ध्यान से देखना या किसी वस्तु पर निकटता से और अति सावधानी पूर्वक ध्यान देना। इसके अनेक प्रतीकात्मक अर्थ भी हैं। एक "पहरुआ" ऐसा व्यक्ति होता था जिसका काम ध्यान से चारों ओर देखना कि नगरवासियों के लिए कोई ख़तरा या अनर्थ तो नही है।

- अपने जीवन और खरी शिक्षा की “चौकसी” करने की आज्ञा का अर्थ है बुद्धिमानी से जीवन जीना और झूठी शिक्षाओं पर विश्वास नहीं करना।
- “सावधान रहो” अर्थात संकट से बचने और हानिकारक प्रभावों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी।

“जागते रहो” या “चौकस रहो” का अर्थ है सदैव सतर्क रहना और सावधान रहना कि पाप में और बुराई में न पड़ें। इसका अर्थ “तैयार रहना” भी है।

- “पहरा देना” या “चौकसी करना” अर्थात किसी प्राणी या किसी वस्तु की रक्षा करना, निगाह रखना या निगरानी करना।
- इसके अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “ध्यान देना” या “यत्नशील होना” या “अत्यधिक सावधान रहना” या “सतर्क रहना”।
- "पहरुए" के लिए अन्य शब्द "पहरेदार" या "अंगरक्षक" हैं।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 05:06
- इब्रानियों 13:17
- यिर्मयाह 31:4–6
- मरकुस 08:15
- मरकुस 13:33–34
- मत्ती 25:10–13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H821, H2370, H4929, H4931, H5027, H5341, H6486, H6822, H6836, H6974, H7462, H7789, H7919, H8104, H8108, H8245, G69, G991, G1127, G1492, G2334, G2892, G3525, G3708, G3906, G4337, G4648, G5083, G5438

चौखट

परिभाषा:

चौखट का सीधा खड़ा भाग है जिस पर द्वार टिका होता है।

- जब परमेश्वर इस्राएलियों को मिस्र से निकालने की तैयारी में था तब उसने उनसे कहा था कि वे एक मेम्ने का वध करके उसका लहू चौखट पर लगाएं।
- पुराने नियम के युग में यदि कोई दास अपने स्वामी की आजीवन सेवा करना चाहता था उसका कान एक कील से द्वार की चैखट में ठोंक दिया जाता था।
- इसका अनुवाद इस प्रकार भी किया जा सकता है, “द्वार के दोनों पक्षों की लकड़ी का खंभा” या “द्वार की लकड़ी की चौखट” या “द्वार के पक्षों की लकड़ी की शहतीर”।

(यह भी देखें: मिस्र, फसह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 06:31–32
- व्यवस्थाविवरण 11:20–21
- निर्गमन 12:5–8
- यशायाह 57:7–8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H352, H4201

चौथाई देश के राजा

परिभाषा:

"चौथाई देश के राजा" शब्द का अर्थ है एक सरकारी प्रशासक जो रोमी साम्राज्य के एक भाग पर शासन करता था। प्रत्येक चौथाई देश का राजा रोमी सम्राट के अधिकाराधीन था।

चौथाई देश के राजा

- शीर्षक "चौथाई देश के राजा" का अर्थ है, "चार संयुक्त शासकों में से एक है।"
- सम्राट डाइक्लेशियन के समय से रोमी साम्राज्य के चार प्रमुख विभाजन थे और प्रत्येक चौथाई देश का राजा एक विभाजन पर शासन करता था।
- हेरोदेस "महान" जो यीशु के जन्म के समय राजा था, उसकी मृत्यु के बाद उसका राज्य चार वर्गों में विभाजित किया गया था, और उसके पुत्रों ने "चौथाई देश के राजा" या "चौथे के शासकों" के रूप में शासन किया।
- प्रत्येक चौथाई देश में एक या उससे अधिक क्षेत्र थे जिन्हें "प्रांत" कहा जाता था, जैसे गलील या सामरिया।
- "हेरोदेस जो चौथाई देश का राजा था" उसका उल्लेख कई बार नए नियम किया गया है. वह "हेरोदेस अन्तिपास" नाम से भी जाना जाता था।
- "चौथाई देश के राजा," शव्द का अनुवाद, "क्षेत्रीय शासक" या "प्रांतीय शासक" या“शासक” या “अधिपति” किया जा सकता है।

(यह भी देखें: राज्यपाल, हेरोदेस अन्तिपास, प्रांत, रोम, शासक)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 3:1–2
- लूका 9:7
- मत्ती 14:1–2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G50750, G50760